हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -02 ♦ अंक-01 ♦देहरादून - रविवार 19 अक्टूबर 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्य: 1/-

राज्य में सीमांत क्षेत्र विकास परिषद का गठन किया जायेगा: मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गुप्तकाशी में चतुर्थ सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सीमांत क्षेत्रों में सुविधाओं और सेवाओं के विस्तार हेतु राज्य में सीमांत क्षेत्र विकास परिषद का गठन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमांत जनपदों में अब ऐसे नवाचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहाँ आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी उपयोगी जानकारी और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित चतुर्थ सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव के राज्य स्तरीय आयोजन का दीप प्रज्वलित शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनपदों से आए बाल वैज्ञानिकों के साथ जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक जल संसाधन एवं संरक्षण, आपदा प्रबंधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा ऊर्जा संरक्षण आदि विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भव्य आयोजन से सीमांत जनपदों के प्रतिभावान बाल वैज्ञानिकों को नई दिशा और अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत नवाचार, अनुसंधान और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। नए भारत की गति और दिशा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवाचारों पर निर्भर करेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर रुद्रप्रयाग जिले में आपदा प्रबंधन केंद्र के निर्माण के लिए जिलाधिकारी को कार्ययोजना बनाने के निर्देश देने के साथ ही पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बणसू जाखधार में विभिन्न कार्यों के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, सीमांत क्षेत्र के उद्यमी इंद्र सिंह रावत और सीमांत सेवा फाउंडेशन के डॉ. पाटनी

को सम्मानित करने के साथ ही यूकॉस्ट की रुद्रप्रयाग डैशबोर्ड पुस्तक का विमोचन भी किया। इस जीआईएस आधारित रिमोट सिस्टम डैशबोर्ड पर विभिन्न विभागों की योजनाओं से जुड़ी सूचनाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी।

चतुर्थ सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव की थीम– जलवायु परिवर्तन अनुकूलन रणनीतियाँ तथा आपदा जोखिम प्रबंधन एकीकरण है। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक जल संसाधन

प्रथम बार महिला स्वंय सहायता समूह से पार्किंग संचालन

देहरादून। परेड ग्राउण्ड से बुधवार को यातायात प्रबन्धन एवं ट्रेफिक जाम से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन देहरादून द्वारा सखी सटल सेवा के 02 वाहने के लिए जल्द ही शहर में 05 चिन्हित स्थानों पर स्टॉप बनाए जाएंगें। आटोमेटेड पार्किंग सहित सह वाहन भी महिला स्वयं सहायता समूह के अधीन ग्राम्य विकास अभिकरण, देहरादून को 02 ईवी नये वाहन (टाटा पंच) आंवटित किए गए है। ''फ्री सखी कैब सुविधा'' के द्वारा ऑटोमेटेड पार्किंग सुविधा में वाहन

नए ईवी वाहन को विधायक खजानदास ने महापौर नगर निगम, जिलाधिकारी सविन बसंल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की उपस्थित में हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन परेडग्राउड ओटोमेटेड पार्किंग से 5 किमी के दायरे तक जनमानस को ड्राप करने की सुविधा उपलब्ध है जिससे वे अपने वाहन पार्किंग में पार्क कर सखी वाहन से निःशुल्क जा पाएंगे। इन रहेंगे। वर्तमान में कृष्णा स्वंय सहायता समूह द्वारा पार्किंग का संचालन किया जा है। स्वयं सहायता समूह को अभी पार्किंग से धनराशि रू 29120 प्रतिदिन आय हो रही है तथा यह निरंतर बढती जा रही है, तथा सखी वाहन लगने से इसकी आय और अधिक बढेगी।

जिला प्रशासन द्वारा ऑटोमेटेड पार्किंग सुविधा के अन्तर्गत ''फ्री सखी कैब सुविधा'' का भी शुभारंभ किया गया है, जिसके अन्तर्गत जिला प्रशासन द्वारा जिला पार्क करने वाले वाहन स्वामियों को नजदीकी भीड–भाड़ व व्यस्ततम वाले स्थानों तक छोडने हेतु फ्री कैब सुविधा आज से उपलब्ध है। जिला प्रशासन द्वारा वाहनों के संचालन हेतु 02 ड्राईवर भी उपलब्ध करवाये गये है।

जिला प्रशासन देहरादून के शहर को जाम से निजात दिलाने तथा पार्किंग व्यवस्था में सुधार हेतु 3 नई आटोमेटेड पार्किंग निर्माण करवया गया है जिनमें परेडग्राउण्ड 111 वाहन क्षमता, तिब्बती मार्केट 132 तथा कोरोनेशन 18 वाहन क्षमता है।

करड़ा गांव में गुलदार का आतंक किसान का बैल बना निवाला

संवाददाता पुरोला। प्रखंड पुरोला के करड़ा गांव में इन दिनों गुलदार का आतंक है। बीती देर रात गुलदार ने गांव के पशुपालक दीवान सिंह भंडारी के एक बैल पर हमला कर उसे मार डाला। घटना से पूरे गांव में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताह से गांव के आसपास गुलदार की आवाजाही लगातार देखी जा रही थी। मंगलवार को देर सांय जब दीवान सिंह का बैल जंगल की तरफ गया था, तभी गुलदार ने उस पर हमला कर उसे निवाला बना लिया। सुबह जब ग्रामीणों ने जंगल में बैल का क्षत–विक्षत शव देखा तो पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। पीड़ित किसान दीवान सिंह भंडारी ने बताया कि धान की कटाई के बाद अब खेतों में हल चलाने का काम शुरू होना था, लेकिन बैल के मारे जाने से खेती का सारा काम ठप पड़ गया है। उन्होंने कहा, "नए बैल खरीदने की सामर्थ्य नहीं है। खेती–बाड़ी हमारी आजीविका का एकमात्र साधन है, लेकिन अब खेतों में हल कैसे चलाएं, यही चिंता सताने लगी है।" ग्रामीणों ने बताया कि गुलदार दिन ढलते ही गांव के आसपास घूमता दिखाई देता है, जिससे महिलाओं और बच्चों में भय का माहौल है। कई परिवार अब मवेशियों को जंगलों में चराने से परहेज कर रहे हैं। गांव के बुजुर्ग बिशंबर दत्त रतूड़ी ने कहा कि पहले भी गुलदार कई बार गांव के आसपास देखा गया, लेकिन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

पुस्तक वितरण सम्मान समारोह अगस्त्यमुनि में होगा आयोजित

रुद्रप्रयाग। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत जनपद रुद्रप्रयाग में राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार एवं पुस्तक संस्कृति के उन्नयन हेतु पुस्तक वितरण सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 16 अक्टूबर, अपराहन 1:00 बजे राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अगस्त्यमुनि में आयोजित होगा। इसमें जनपद के 60. प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय को दस हजार, 32 उच्च विद्यालयों को पच्चीस हजार एवं 16 इंटर कॉलेज को पचास हजार रुपये मूल्य की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण, पुस्तक वितरण सम्मान समारोह के माध्यम से किया जायेगा। माननीय पूर्व सांसद तीरथ सिंह रावत की इस अनोखी पहल से जिले के 108 शैक्षणिक संस्थानों को हिन्दी साहित्य से संबंधित हिन्दी के महान लेखकों की रचनाओं से समृद्ध एक मिनी लाइब्रेरी की प्राप्ति एवं स्थापना हो जायेगी। पुस्तक वितरण सम्मान समारोह के विशेष आमंत्रित अतिथि माननीय जिलाधिकारी महोदय, माननीय मुख्य विकास अधिकारी महोदय, परियोजना निदेशक महोदय होंगे।

सम्पादकीय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

"आदित्यः सविता सूर्यः खगः पूषा गभस्तिमान्
तिमिरोन्मथनः शम्भुस्त्वष्टा मार्तण्ड आशुगः।
हिरण्यगर्भः कपिलस्तपनो भास्करो रविः
अग्निगर्भोऽदितेः पुत्रः शम्भुस्तिमिरनाशनः।।"

अर्थात

अदिति के पुत्र, जगत् के उत्पादक, सम्पत्ति एवं प्रकाश के स्त्रष्टा,आकाश में विचरण करने वाले,सबका पोषण करने वाले, सहस्त्रों किरणों से युक्त, अन्धकार नाशक, कल्याणकारी, विश्वकर्मा अथवा विश्वरूपी शिल्प के निर्माता,मृत अण्ड से प्रकट, शीघ्रगामी, ब्रह्मा, कपिल वर्ण वाले,तपने वाले या ताप देने वाले,प्रकाशक, वेदत्रयी की ध्वन से युक्त, अपने भीतर अग्निमय तेज को धारण करने वाले,अदिति देवी के पुत्र, कल्याण के उत्पादक, अन्ध कार का नाश करने वालेश सूर्य भगवान् को मेरा कोटि -कोटि प्रणाम है। हमारे भीतर की कलुषता, कपटता, द्वेष, वैमनस्यता, तिरोहित हो। प्रेम, भ्रातृत्व, समरसता, सद्भावना का चतुर्दिक प्रस्फुटन हो।

विराट सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण, आंतरिक एवं बाह्य प्रकाश से आलोकित हमारा राज्य उत्तराखंड निरंतर प्रगति करता हुआ नये नये प्रतिमान स्थापित करते हुए उन्नत भाल हिमालय-सा राष्ट्र एवं वसुधा का षसिरमौरष बने।

सुख, शांति, समृद्धि, समरसता, बंधुत्व के भाव हमें सदैव उर्जावान रखें।।हर प्रकार के तिमिर तिरोहित हों,सदगुण और सद्चरित्र हमारे पथ-प्रदर्शक हों। हर मन,हर,घर खुशहाल हो, चतुर्दिक चहुंओर मंगलमय की भावना हों।

उल्लास का उत्सव,प्रकाश पर्व दीपावली की कोटि कोटि बधाईयां,अनंत हार्दिक शुभकामनाएं।

जय उत्तराखण्ड !!! जय भारत!!!

डॉ.गार्गी मिश्रा

मुफ्त की रेवड़ी बनाम गरीबों की मदद

अजय दीक्षित

मानवीय मूल्यों में गिरावट का चरम तब उजागर हुआ जब एक सडक दुर्घटना में घायल ट्रक चालक की मदद के बजाय लोग ट्रक में भरी सेब की एक हजार से अधिक पेटियां लूट ले गये । चालक चीखता रहा, राहगीर व ग्रामीण सेब की पेटियां लूटते रहे । पंजाब के फतेहगढ़ साहब में जीटी रोड पर स्थित गांव राजेंद्रगढ़ के निकट कार को बचाने के प्रयास में एक सेब से भरा ट्रक पलट गया । घायल चालक व परिचालक प्राथमिक उपचार के बाद लौटे तो देखा कि ट्रक में लदी सेब की पेटियां लूटी जा रही हैं। चालक के अनुसार, ट्रक पलटने से सौ के करीब ही पेटियां बाहर गिरी थी, लेकिन राहगीर व ग्रामीण बारह सौ से अधिक पेटियां लूट ले गये। अमृतसर निवासी चालक जम्मू-कश्मीर से ट्रक में सेव भरकर ओडिशा-झारखंड ले जा रहा था। चालक बार बार ऐसा न करने की दुहाई देता रहा। कहता रहा कि वह मालिक को क्या जवाब देगा। ले. किन किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। यहां तक कि रास्ते से गुजरते बड़ी गाडियों में सवार लोग भी पेटी लूटने का लोभ नहीं त्याग सके। मगर जब किसी राहगीर द्वारा घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया तो वह वायरल हो गया। देश ही नहीं, कनाडा-अमेरिका से इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। देश-दुनिया के पंजाबियों ने वीडियो देखकर घटना को शर्मसार करने वाला माना। सभी ने घटना की भर्त्सना की और ट्रक चालक की मदद की पेशकश की। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। सरकार ने भी कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वीडियो में देखे गये लोगों के फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों से उनके बारे में सूचना देने को कहा गया। शाम होते-होते लूट में शामिल कुछ लोगों की शिनाख्त की गयी है। यही नहीं, घटना से व्यथित लोग सामने आये और ट्रक चालक के नुकसान की भरपाई के लिये चेक देकर सार्थक पहल की। सवाल उठता है कि क्यों खाते-पीते घरों के लोग श्मुफ्त का चंदन, घिस रघुनंदनश की तर्ज पर सेब की पेटियां लूटने पर आमादा हुए? क्यों उन्हें महसूस नहीं हुआ कि दुर्घटना के शिकार चालक व परिचालक की मदद पहले करनी चाहिए? वह भी उस पंजाब में जहां इस तरह के कृत्य को कभी मान्यता नहीं दी गई। जहां भूखों को खाना खिलाने की समृद्ध परंपरा रही है। ऐसा नहीं है कि ऐसी घटना सिर्फ पंजाब में हुई है, देश के विभिन्न राज्यों से गाहे-बगाहे ऐसी ही घटनाओं के वीडियो वायरल होते रहते हैं। सवाल उन महंगी कार चालकों की नीयत पर भी उठे जिन्होंने कार रोक सेब की पेटियां उठायी और चलते बने। आखिर समृद्ध लोग भी श्लूट की छूटश के खेल में क्यों शामिल हो जाते हैं? यह जानते हुए कि ट्रक चालक एक तरफ तो शारीरिक रूप से घायल हुआ है, दूसरी ओर उसकी नौक. री व साख पर भी आंच आएगी। चालक रोता- गिड़गिड़ाता लोगों से कहता भी रहा कि मैं व्यापारी को क्या जवाब दूंगा? मैं क्या सबूत दूंगा कि मेरा माल चोरी हो गया? मुझे झूठा ठहरा दिया जायेगा। यहां हमें सोशल मीडिया को भी श्रेय देना होगा जिसने लूट के खेल को जगजाहिर कर दिया। अन्यथा जीटी रोड के एक गांव के पास घटी घटना का सच कभी सामने न आता। व्यापारी के कहीं उसने ट्रक का माल किसी दूसरे व्यापारी को तो नहीं बेच दिया। निस्संदेह, ज्यों-ज्यों समाज में प्रलोभन थम नहीं रहा है। यही वजह है कि पंजाब गई। उन्होंने इस घटना को पंजाब की अस्मिता पर हमारी भौ. तिक उन्नति तब तक सारहीन है जब तक हमारे व्यवहार में मानवीय मूल्य जीवंत नहीं होंगे । इंसानियत का पराभव हमारी गम्भीर चिंता का विषय होना चाहिए । व्यापारी के मन में ट्रक चालक को लेकर शंका जन्म लेती कि कहीं उसने ट्रक का माल किसी दूसरे व्यापारी को तो नहीं बेच दिया। निस्संदेह, ज्यों-ज्यों समाज में समृद्धि व संपन्नता आई है, लोगों का अंतहीन प्रलोभन थम नहीं रहा है। यही वजह है कि पंजाब के प्रबुद्ध और जागरूक लोगों में इस घटना की तीखी प्रतिक्रिया भारत व सात समुद्र पार भी देखी गई। उन्होंने इस घटना को पंजाब की अस्मिता पर

दाग माना और मदद की पेशकश भी की। यह घटना हमें कई सबक देकर जाती है । बताती है कि हमारी भौतिक उन्नति तब तक सारहीन है जब तक हमारे व्यवहार में मानवीय मूल्य जीवंत नहीं होंगे । इंसानियत का पराभव हमारी गम्भीर चिंता का विषय होना चाहिए ।

बिहार में शराबबंदी : पार पाने का हौसला दिखाना होगा

डा. भीम सिंह भावेश

बिहार में शराबबंदी अपने अबतक के सबसे वीभत्स रूप में है। राज्य के सारण जिला में जहरीली शराब पीने से करीब 50 लोगों की मौत की खबर के दूसे दिन दूसरे जिले में भी लोगों के मरने की खबर से राज्य की राजन. ीति का पारा गर्मा गया है।

इस घटना ने सूबे में शराबबंदी को लेकर एक साथ कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोक सभा में इस मुद्दे पर तीखी बहसें हुई। बिहार विधानसभा में आरोपों के बौछार पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का तमतमाया चेहरा और गुस्से में लरजती उनकी आवाज से राज्य में शराबबंदी की दशा और दिशा का बखूबी पता चलता है।

शराबबंदी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक महत्त्वकांक्षी योजना है। 'आइए, हम सब मिलकर नशा मुक्त बिहार बनाएं' स्लोगन को वे बड़े गर्व के साथ प्रस्तुत करते हैं। वर्ष 2011-12 से 2005-16 तक राज्य में पंचायत स्तर तक कम्पोजिट शराब दुकानें और वार्ड तक परचुनिया दुकानों की बाढ़ आ गई थी। राशन दुकानों की भांति देसी, विदेशी एवं मसालेदार शराब की दुकानें आवंटित थीं। तब पियक्कड़ों के कारण विशेषकर महिलाओं का घर से निकलना दूभर हो गया था। नतीज. तन नीतीश ने 1 अप्रैल, 2016 से शराबबंदी का दृढ़ निर्णय लिया, जबकि इस निर्णय से राज्य को 4 हजार करोड़ रुपये का भारी राजस्व की क्षति का अनुमान था।

विपक्ष का आरोप भी सही प्रतीत होता है कि बीते सात साल में बिहार को एक लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। लिहाजा पैसे कहां से आएंगे, यह सवाल तो राज्य के मुखिया से पूछा जाना चाहिए। जिस पैसे से बिहार का भला होता उसका भी नुकसान हो रहा है। हालांकि नीतीश तमाम दबाव के बावजूद अपने फैसले से रत्ती भी पीछे नहीं हटने को तैयार हैं। उनका तर्क है कि शराब पीना बुरी आदत है और जो इसका सेवन करेगा, वह अपनी जान गंवाएगा। अपने इस फैसले को और ज्यादा सख्त बनाने के लिए उन्होंने शराब पीकर मरने वालों को सरकारी सहायता राशि भी देने से मना कर रखा है।

बहरहाल, शराबबंदी की निंदा करने के तमाम तर्क विपक्षी दलों, विशेषज्ञों और शराब से जुड़े व्यवसाय करने वाले दें, किंतु इस तथ्य से भी कोई इनकार नहीं कर सकता कि शराबबंदी से राज्य में खुशहाली का ग्राफ भी ऊपर चढ़ा है। मद्यनिषेध विभाग के सब्रे में बताया गया है कि राज्य की 100 फीसद महिलाएं शराबबंदी के निर्णय से बेहद खुश हैं। वो रात में बेखौफ होकर घूम सकती हैं, जो पहले कल्पना से परे बात थी। निश्चित तौर पर इस 'बोल्ड' फैसले का नीतीश को सियासी फायदा भी पहुंचा। उन्हें महिलाओं के एकमुश्त वोट भी मिले, मगर जहरीली शराब से हो रही मौतों ने नीतीश और गठबंधन सरकार को बैकफुट पर ला दिया है। हाल ही में संपन्न कुढनी विधानसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी को मिली हार की एक वजह गरीब-गुरबों और पिछड़ी जातियों के लोगों का शराबबंदी कानून के तहत जेल जाने को बताया जा रहा है।

स्वाभाविक है नीतीश चौतरफा घिर चुके हैं। उन्हें इस बात पर गहन मंथन करना होगा कि यह कानून सफल क्यों नहीं हो पा रहा है, आखिर इसके औंधे मुंह गिर जाने की वजह क्या है आदि। जब तक इन सब बातों का सही तरीके से आकलन नहीं होगा, लोग मरते रहेंगे। हां, कुछ नियमों में बदलाव किए जाएं तो परिणाम सुखद होने की गुंजाइश जरूर परवान चढ़ सकती है। मसलन, एक मजबूत 'एंटी लिकर सेल' का गठन बिना वक्त गंवाये सरकार को करना चाहिए। आबकारी का मसला बिल्कुल अलहदा है, सो सरकार को इसे पूर्ण रूप से आबकारी महकमे को सौंप देना चाहिए और पुलिस को इससे बिल. कुल अलग कर देना चाहिए। राज्य की सीमा वाले इलाके में पेट्रोलिंग के साथ-साथ जागरूकता के कार्यक्रम भी चलाने होंगे। अगर शराबबंदी को शत-प्रतिशत सफल बनाना है तो बिहार की सरकार को गुजरात से भी सीखने की जरूरत है। वहां अगर किसी मरीज को डॉक्टर ने शराब पीने की सलाह दी जाती है तो वह शराबंदी कानून के दायरे में नहीं आता है। उसी तरह कोई बाहर से लाकर अपने घर में शराब का सेवन करे तो वह गैरकानूनी नहीं माना जाता है, जबकि बिहार में नियम बिल्कुल इसके उलट है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि राज्य सरक. ार इस मसले पर आंखें मूंदे बैठी है। शराबबंदी की सफलता को लेकर सरकार जल, थल और नभ तीनों जगह शिंकजा कसने की रणनीति पर काम करती रही है। स्पीड बोट, पर्याप्त पुलिस बल, ान दस्ता तथा ड्रोन आदि की व्यवस्था की गई। चेक पोस्टों के लिए हैंड स्कैनर का उपयोग किया जा रहा है। सभी जिलों में एंटी लिकर टास्क फोर्स (एएलडीएफ) की 186 टीमें कार्य कर रही हैं। उत्पाद विभाग एवं पुलिस विभाग का संयुक्त अभियान चलता रहा। इसके बावजूद राज्य में बदस्तूर जाम के छलकने की असल वजह जानने और समझने की हर किसी को जरूरत है। नीतीश ने जिस मनोदशा में शराबंदी लागू करने का फैसला किया, अब उस निर्णय को सफल बनाने की प्रतिज्ञा उन्हें लेनी होगी।

सांसें महकाए पुदीना, रखे स्वस्थ

पुदीना नाम सुनते ही हमारा मुंह तरोताजा हो जाता है. इसका सेवन हमारे स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखता है. इसे अंग्रेजी में मिंट कहा जाता है जो कई रूपों में माउथफ्रेश करने के लिए बाजार में उपलब्ध है. यह एक स्वास्थ्यवर्धक हर्ब है जो बाजार में काफी मात्रा में मिलता है. इससे बने हुए टूथपेस्ट, च्वुंइगम, सांसों को ताजा करने वाले माउथ फ्रेशनर लिक्विड और टैबलेट आदि बिकते हैं. इन्हें खाने से मुंह में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया मर जाते हैं और सांसों में ताजगी आ जाती है. हम आपको पुदीना खाने के तरीके और उससे होने वाले लाभों के बारे में बता रहे हैं.

अंडे में मिलाएं : इसे ऑमलेट में मिलाकर खाएं. इससे ऑमलेट में नया फ्लेवर आएगा और गंध भी नहीं आएगी.

सलाद में रखें : पुदीने की पत्तियों को सलाद के साथ खाएं, जो काफी फायदा करती हैं. चाय में डालें : आप घर में सादी चाय बनाते समय मिंट की पत्तियों को डाल सकते हैं, ये एक तरोताजा फ्लेवर देगी.

ठंडा पानी : घरों में गर्मियों के दिनों में काफी ज्यादा मात्रा में पानी पिया जाता है, अगर आप मिंट की पत्तियां उसमें मिला दें, तो वह और फायदेमंद होगा.

एलर्जी में : जिन लोगों को किसी न किसी प्रकार की एलर्जी होती है, उन्हें मिंट की पत्तियों का सेवन हर दिन करना चाहिए. इससे उन्हें राहत मिलेगी.

सर्दी दूर भगाए और पाचन दुरुस्त बनाए: मिंट ठंडा होता है लेकिन अगर आपको सर्दी लग गई है तो इसकी पत्तियों को खाने से राहत मिलेगी. कब्ज, अपच या भोजन न पचने की शिकायत होने पर मिंट की पत्तियों का सेवन करना चाहिए जो इन सभी से निजात दिलाता है.

सुबह-सुबह होने वाली कमजोरी : जिन लोगों को सुबह के दौरान ज्यादा वीकनेस लगती है उन्हें पुदीने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए. इससे उन्हें आराम मिलेगा.

संजय लीला भंसाली की हीरोइन बनना सम्मान की बात: अंजना सुखानी

अभिनेत्री अंजना सुखानी संजय लीला भंसाली की मराठी फिल्म 'लाल इश्क' में नजर आने वाली हैं और उनका कहना है कि दिग्गज फिल्म निर्माता के फिल्म में हीरोइन होना एक 'सुखद एहसास' है। स्वप्ना वाघमारे जोशी के निर्देशन में बन रही आगामी फिल्म का निर्माण भंसाली कर रहे हैं। 'लाल इश्क' से अंजना मराठी फिल्म जगत में पर्दापण कर रही हैं। अंजना ने बताया, 'संजय लीला भंसाली की हीरोइन बनना कितने सम्मान की बात है यह बताने के लिए मेरे पास शब्द कम है। यह एक सुखद एहसास है। हम सभी जानते हैं कि वह एक शिल्पकार हैं, वह एक वास्तविक प्रतिभाशाली हैं। जब वह काम करते हैं तो अपना बेहतरीन देते हैं और वह कमाल का हो जाता है।' अभिनेत्री ने बताया कि 'बाजीराव मस्तानी' के निर्देशक निश्चित रूप से दखल नहीं देने वाले निर्माता हैं और कलाकारों और फिल्म से जुड़े सदस्यों को खुली स्वतंत्रता देते हैं। 'लाल इश्क' 27 मई को प्रदर्शित होने वाली है।

गुलाबजल और चंदन दिलाए छुटकारा वाइटहेड से

क्या आपके चेहरे पर सफ़ेद दाने हैं जो आपकी सुंदरता को कम करते हैं? यदि ऊपर पूछे गए प्रश्न का उत्तर हाँ है तो इस लेख को आगे पढ़ें7 आपकी नाक, ठोड़ी या पूरे चेहरे पर जो सफ़ेद दाने होते हैं उन्हें व्हाइटहैड्स कहते हैं7 ये मुंहासों के ही एक प्रकार है जो बंद रोम छिद्रों के कारण होते हैं। वे लोग जिनकी त्वचा तैलीय होती है उनमें अतिरिक्त सीबम का स्त्राव होता है जिसके कारण त्वचा की सतह के नीचे तेल बनने लगता है तथा चेहरे के विभिन्न भागों पर यह सफ़ेद दानों के रूप में दिखाई देता है।

आज बोल्डस्काय में हम आपको एक आसान फेस मास्क के बारे में बताएँगे जो आपके चेहरे से व्हाइटहैड्स दूर करेगा तथा आपके चेहरे को चिकना बनाएगा। अपने रसोईघर से केवल दो पदार्थ लें, चंदन का पाउडर तथा गुलाब जल, इसे मिलाकर फेस मास्क बनाये और उपयोग करें। चंदन पाउडर एस्ट्रिजेंट की तरह कार्य करता है और अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। जब इसे गुलाब जल के साथ मिलाया जाता है तो यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को निकालने का काम करता है। तो आइए इस फेस मास्क को बनाने के लिए आवश्यक सामग्री और उपयोग के निर्देश के बारे में जानें।

देश पर भारी पड़ रही मौसम की दोहरी मार

मौसम का दोतरफा रुख देश पर भारी पड़ रहा है। उत्तर भारत भीषण गर्मी की चपेट में है, जबकि दक्षिण भारत के कई इलाकों में रेकॉर्ड तोड़ बारिश हो रही है। मौसम की इस ऊटपटांग चाल के लिए बाकी चीजों के अलावा बंगाल की खाड़ी में आया चक्रवाती तूफान %रोआनू% भी जिम्मेदार है। जहां तक सवाल मॉनसून का है तो अंडमान-निकोबार में उसने तय समय से दो दिन पहले ही दस्तक दे दी थी, लेकिन रोआनू की वजह से उसकी रफ्तार भी धीमी हो गई है। अब केरल में- जहां मॉनसून के आगमन से भारत में बारिश के मौसम की शुरुआत मानी जाती है- यह और लेट हो जाएगा। सोचा जा सकता है कि खेती-बाड़ी पर इसका क्या असर होने वाला है।

बारिश का अंदाजा लगाकर ही धान के बीज डालने का काम शुरू होता है। लगातार दो खराब मॉनसूनों के बाद इस साल बारिश में एक-एक दिन की देरी किसानों के लिए बहुत भारी पड़ेगी। इधर गर्मी रोज नए रेकॉर्ड बना रही है। राजस्थान के फलौदी में गुरुवार को 51 डिग्री टेंपरेचर दर्ज किया गया। और यह कोई एक जगह की बात नहीं है। उत्तरी और मध्य भारत के कई इलाकों में पारा 5० डिग्री के करीब जा रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर कहा है कि यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और मध्य प्रदेश में अभी गर्मी का कहर जारी रहेगा। कई इलाकों में लू से होने वाली मौतों की भी खबर है। गर्मी के कारण पावर सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। राजधानी समेत देश के कई शहरों में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। लेकिन देश के पूर्वी तटीय इलाके समुद्री तूफान से परेशान हैं। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भारी बारिश का जनजीवन पर गहरा असर पड़ा है। अनुमान है कि रोआनू चक्रवात पश्चिम बंगाल के करीब से गुजरता हुआ आज देर रात तक बांग्लादेश पहुंच जाएगा, जहां वह कॉक्स बाजार और केपूपाड़ा के तट से टकराएगा। इस तूफान का कहर अभी तक सबसे ज्यादा श्रीलंका को झेलना पड़ा है, जहां हुए एक भूस्खलन में कोई दो सौ साल लोग मारे गए हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है रोआनू तूफान जब तक मजबूत है, तब तक मैदानी इलाकों का चढ़ता पारा थोड़ा काबू में रहेगा। यानी गर्मी का यह हाल पारे के काबू में रहने के बाद का है! जाहिर है, मई के बचे हुए दिन उत्तर भारत के लिए काफी भारी पड़ने वाले हैं। ऐसे में सतर्क रहना समय की मांग है। खानपान के स्तर पर पूरी सावधानी बरती जानी चाहिए। सरकार को अभी से सचेत रहना होगा। किसानों को इस खरीफ के सीजन में कोई नुकसान न हो, इसके लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जाने चाहिए।

कमी नहीं उनकी मौज में

निपट गया संसद का एक और सत्र। वैसे ही जैसे निपट जाते हैं 'राष्ट्रीय पर्व।' खाते-पीते। छुट्टी मनाते। एकदम मस्त। गहमा-गहमी के बीच बीत गया यह सत्र भी। कुछ बिल 'पास' हुए। बहुत सारे 'फेल' हुए। अनवरत चलता रहता है यह खेल बिलों के 'उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण' होने का। जो इक्का-दुक्का बिल पास होते हैं, वे अर्थव्यवस्था की रेलगाड़ी के लोकोपायलट बन जाते हैं। या कि 'माननीयों' के वेतन नामक हवाई जहाज़ के पायलट बनते हैं। गरीब उस रेलगाड़ी को धक्का देते हैं। अन्न की जगह अपने पेट में भरी हवा से हवाई जहाज़ को फूंक मारते हैं। रेलगाड़ी रफ्तार पकड़ती है। जनता के लिए सज़ा है। धक्का देने वाले पुनः धक्का खाने को तैयार। फूंक मारने वाले तैयार हैं, सूखे और गरीबी की आंधी को झेलने के लिए। खैर, 'तमाम' बिलों और 'धक्कोन्मुख' का तो वही होना है, जो होता आया है। उम्मीद के मुताबिक लटके रहेंगे। तब तक लटके रहेंगे जब तक अंतिम सांस न अटक जाए।

बहरहाल। बीता संसदीय सत्र चर्चा में है। नज्नज् आप ये न समझें कि संसद में कुछ काम नहीं हुआ। इसमें तो कोई नयी बात नहीं है। लेकिन फिर भी, पहले के सत्रों की बात कुछ और थी। संसद स्थगित हो जाया करती थी अनिश्चित काल के लिए। आपको आशा थी कि इस बार भी कुछ ऐसा ही होगा। मगर अफसोस। निराशा हाथ लगी। इस बार स्थगन नहीं हुआ साहब। छुट्टियों के पहले बच्चे स्कूल में दिल लगाने लगते हैं। सोचते हैं कि चलो थोड़ा काम कर लिया जाए। छुट्टियां तो आने ही वाली हैं। अनुपस्थित रहना ठीक नहीं। वही इधर भी है साहब। बाकी 19-2० घंटे तो बर्बाद होना आम है। इतने समय की बरबादी भारतीय आबादी के लिए आम बात है। अब तो रेलगाड़ियां भी आज की जगह कल पहुंचती हैं। हमें आदत है। कोई नई बात नहीं। यहां समय खुद-ब-खुद बर्बाद हो जाता है। आदमी तो पहले ही बर्बाद है। और कितना होगा?

अच्छा लगा कि सदन स्थगित नहीं हुआ। काम किया माननीयों ने। एकजुट होकर आरोप मढ़े। यही काम है। वर्षों से चल रहा है काम। करोड़ों का काम होता है देश की संसद में। देश तो कब से घिसट-घिसट के चल ही रहा है। सबने साबित किया कि सूखे की समस्या इसी तरह सुलझ जाएगी। किसान इसी काम के चलते आत्महत्या बंद कर देंगे।

एकजुट होकर 'खाते' हैं। क्या-क्या खाते हैं, ये 'स्वामी' के अलावा किसी को नहीं पता रहता। खाने के पश्चात, कुर्सी को बिछौना बनाकर वहीं बिछ जाते हैं। खुश होगी जनता। उसके चुने हुए माननीय एकजुट दिख रहे हैं। खड़े हैं न्यायपालिका के विरोध में। कहते हैं-न्याय को पालने वाले हम। खिलाने वाले हम। अब ये न्याय हम पर ही सवार हो रहा है। इसके विरोध में प्रस्ताव पारित होना चाहिए।

सीडीओ ने आगामी श्री नंदादेवी राजजात यात्रा में निर्माण कार्य के प्रस्ताव शीघ्र भेजकर कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

चमोली। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में आगामी वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली श्री नंदा देवी राजजात यात्रा की

तैयारियों को लेकर जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित रेखीय विभागों को यात्रा से जुड़े निर्माण कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि प्रत्येक सप्ताह कार्यों के प्रगति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजजात यात्रा के पड़ाव स्थलों पर पड़ाव अधिकारी एवं सहायक पड़ाव अधिकारी स्थानीय लोगों से समन्वय स्थापित कर अपने-अपने प्रस्ताव तैयार करें और आवश्यक निर्माण कार्यों को समय पर प्रारम्भ कर दें।

सीडीओ ने एसडीएम थराली को खाद्यान्न गोदामों के निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए ताकि यात्रा के दौरान खाद्य आपूर्ति की समस्या ना हो। उन्होंने कहा कि राजजात जैसी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि किसी भी प्रकार की कार्य डुप्लीकेसी न हो।मुख्य विकास अधिकारी ने एसडीएम और बीडीओ को यात्रा पड़ावों पर चल रहे निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए, जिससे कार्य गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित हो सके। मुख्य विकास अधिकारी ने यात्रा में आने वाले यात्रियों के पंजीकरण और ट्रैकिंग की व्यवस्था बनाने, आपदा जैसी स्थिति में भोजन, पेयजल और रेस्क्यू कार्यों के लिए भी योजना तैयार करने की बात कही। उन्होंने यात्रा पड़ावो पर संचार व्यवस्था को देखते हुए सर्विस प्रोवाइडर कम्पनियों से भी संवांद स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। यात्रा के निर्जन पड़ावों पर सामग्री ढुलान के लिए घोड़े खच्चर की व्यवस्था, यात्रा मार्ग से जुड़े वैकल्पिक पैदल और सड़क मार्गों का चयन, यात्रा मार्ग भी विद्यालयों की सूची तैयार करने, यात्रा के दौरान कचरा प्रबंधन की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहां, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़, जिला कृषि अधिकारी जे.पी. तिवारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोडवेज बस की चपेट में आए तीन स्कूली छात्र, दो छात्रों की मौके पर ही मौत, तीसरा गंभीर

रुड़की। हरिद्वार जिले के रुड़की में भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे की ये घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसने दुर्घटना की भयावहता को दिखाया। रुड़की में गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के देहरादून-रुड़की मार्ग पर स्थित रामपुर गांव में 15 अक्टूबर बुधवार की दोपहर उस समय सड़क हादसा हुआ, जब तीन स्कूली छात्र अपनी बाइक से स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर लौट रहे थे। तीनों छात्र बीएसएम इंटर कॉलेज में पढ़ते थे। बताया गया है कि जैसे वह रामपुर गांव में पहुंचे तो उन्होंने एक टेंपो को ओवरटेक किया। इस दौरान सामने से आ रही देहरादून डिपो की रोडवेज बस से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि छात्रों की बाइक हवा में उछल गई और तीनों छात्र सड़क पर गिर गए। वहीं स्थानीय लोगों के पहुंचने से पहले ही एक छात्र की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। लेकिन इसी बीच दूसरे छात्र ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं डॉक्टरों के मुताबिक तीसरे घायल छात्र की हालत भी गंभीर बनी हुई है, जिसे हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। उधर हादसे की जानकारी मिलते ही छात्रों के परिजन और रिश्तेदार अस्पताल पहुंचे, जहां पर अपने बच्चों के शव देखकर परिजनों का सब्र टूट गया और वहां कोहराम मच गया।

पुलिस ने बस को अपने कब्जे में ले लिया है और चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मृतकों के नाम 16 वर्षीय तेलूराम उर्फ सूरज पुत्र गुलाब सिंह निवासी सालियर सहलापुर कोतवाली गंगनहर, 17 वर्षीय अमित पुत्र रिंकू निवासी नन्हेड़ा अनन्तपुर थाना भगवानपुर बताया गया है। वहीं घायल का नाम 17 वर्षीय सोनी पुत्र सुनील निवासी नन्हेड़ा अनन्तपुर भगवानपुर बताया गया है।

एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि एक बाइक पर तीन युवक सवार थे, जो उत्तराखंड रोडवेज बस की चपेट में आ गए। जिनमें से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

31 हजार दीपों से जगमगाएगा द्रोणा सागर

रुद्रपुर। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 16 अक्तूबर को श्री द्रोणा सागर पर भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर 31 हजार दीपक प्रज्वलित किए जाएंगे साथ ही इस बार सांस्कृतिक संध्या के साथ-साथ दीवाली मेले का भी यहां आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन हिंदू राष्ट्र शक्ति द्वारा "एक दिया मेरा भी प्रभु को समर्पित" भावना के तहत किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा के पटौदी के हरि मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव जी होंगे। दीवाली मेला सांय 4बजे से शुरू होगा और 5 बजे पूज्य महामंडलेश्वर जी के प्रवचन होंगे तथा 5:30 बजे सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और छ बजे दीप प्रज्ज्वलन समारोह का आयोजन होगा। हिंदू राष्ट्र शक्ति के राष्ट्रीय प्रभारी संजय भाटिया तथा जिला अध्यक्ष गौरव गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, परंपरा और उत्सव की भावना को एक सूत्र में पिरोना है। दीपों की रोशनी के साथ लोकगीत, नृत्य और धार्मिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम का माहौल भक्ति और उल्लास से भरा होगा। इन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है और धर्म प्रेमी साथियों का व्यवस्थाओं को पूरा करने में भरपूर सहयोग मिल रहा है जिसके चलते दीपोत्सव कार्यक्रम पूर्व वर्षों की भांति शानदार एवं भव्य होगा क्योंकि इस बार सांस्कृतिक संध्या के साथ-साथ यहां दीवाली मेले का भी आयोजन किया गया है। दिवाली मेले में खाद्य पदार्थों के स्टॉल, के साथ-साथ हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों के आकर्षक स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

राज्य कर अधिकारी साक्ष्यों के अभाव में आरोप मुक्त

हल्द्वानी। रिश्वतखोरी के दो साल पुराने मामले में अदालत ने राज्य कर अधिकारी को सबूतों के अभाव में आरोप मुक्त कर दिया है। जबकि मुख्य आरोपी का मामला विचाराधीन है। सतर्कता विभाग की टीम ने सितंबर 2023 में राज्य कर विभाग में जीएसटी पंजीकरण के नाम पर तीन हजार की घूस लेते हुए डाटा एंट्री आपरेटर दीपक मेहता को रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। इस मामले में राज्य कर अधिकारी उमेद सिंह की भी संलिप्तता सामने आई थी। मुख्य आरोपी डाटा एंट्री ऑपरेटर ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि उसने अपने साहब यानी उम्मीद सिंह के कहने पर रिश्वत ली थी। पुलिस ने संलिप्तता को देखते हुए राज्य कर अधिकारी को भी गिरफ्तार किया था। इसके बाद उनके हल्द्वानी स्थित आवास पर छापेमारी भी की गई थी। इसके बाद आरोपी उमेद ने विजिलेंस कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें बचाव पक्ष के रवि जोशी ने तर्क दिया कि पुलिस ने उसे रंगे हाथ नहीं पकड़ा था। इसके अलावा अभियुक्त राजपत्रित अधिकारी है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए शासन से बिना अनुमति कार्रवाई की गई। तर्क देते हुए कहा कि उसे पूरी तरह झूठा फसाया गया है। साथ ही यह भी कहा कि पुलिस कैसे दूसरे के कहने पर उसे आरोपी बना सकती है।

भीषण सड़क हादसाः रोडवेज बस ने खड़ी क्रेन से टकराई , मची चीख पुकार

हरिद्वार। जिले के बहादराबाद थाना क्षेत्र में बीती देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा बढ़ेडी राजपूतान गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है की रोड़वेज बस रुड़की की ओर जा रही थी। जैसे ही रोडवेज बस बहादराबाद थाना क्षेत्र के बढ़ेडी

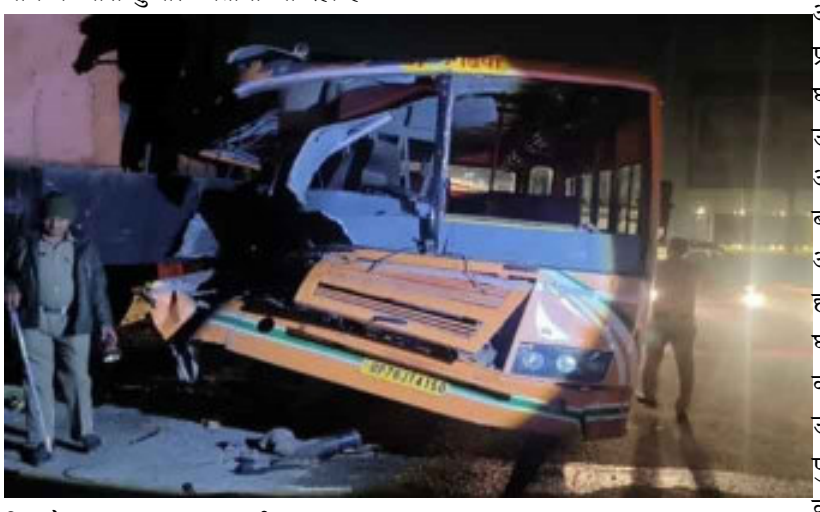

राजपूतान गांव में नेशनल हाईवे पर पहुंची तो इसी दौरान रोड़वेज बस अनियंत्रित होकर निर्माणधीन हाईवे पर खड़ी क्रेन से टकरा गई। बताया गया है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसके परखच्चे उड़ गए। वहीं हादसा होने के बाद बस में बैठे सवारियों में चीख पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ने हादसा इतना भयानक था कि देखते ही देखते आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े और बस के अंदर फंसे ड्राइवर को खिड़की तोड़कर बाहर निकाला गया। राहत की बात ये रही कि ज्यादा सवारियों को गंभीर चोटें नहीं आईं।

कि देर रात उस समय चीख पुकार मच गई, जब हरिद्वार की ओर से आ रही रोडवेज बस ने निर्माणधीन हाईवे पर खड़ी क्रेन में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आसपास क्षेत्र के लोगों की घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर घायलों को बस से बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को पास के हॉस्पिटल में भिजवाया गया। इस घटना में 6 से ज्यादा लोग घायल हुए है। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक 14 अक्टूबर मंगलवार देर रात हरिद्वार से यात्रियों को लेकर उत्तर प्रदेश के मेरठ डिपो

उधर, हादसे की जानकारी मिलते ही बहादराबाद थाना प्रभारी निरीक्षक अंकुर शर्मा और शांतरशाह चौकी प्रभारी उमेश कुमार लोधी घटनास्थल पर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। बहादराबाद थाना प्रभारी निरीक्षक अंकुर शर्मा ने बताया कि इस हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं, जिसमें से 3 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और क्षतिग्रस्त बस को सड़क किनारे लगवा दिया है, जिससे राहगीरों को किसी तरह की समस्या न हो सके।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।